Pg. no 1

3

वह नन्ही चिड़िया

पाठ-प्रवेश

हम अपने शौक़ तथा मनोरंजन के लिए कभी-कभी इतने स्वार्थी हो जाते हैं कि पशु-पक्षियों के सुख को, स्वतंत्रता को अनदेखा कर देते हैं। इस पाठ में भी एक बालक की चाहत के कारण नन्ही चिड़िया को जान गँवानी पड़ी, तब उसे अपनी भूल का अहसास हुआ।

शेरोजा के जन्मदिन पर उसे ढेर सारे उपहार मिले। किसी ने खूबसूरत पेंटिंग्स दीं तो किसी से उसे मनपसंद घोड़ेवाला खिलौना मिला। पर एक उपहार था, जो इन सबसे बिलकुल अलग था। दरअसल[1], शेरोजा के अंकल ने उसे चिड़िया पकड़ने वाला एक लकड़ी का पिंजरा दिया था।

"माँ-माँ! देखो न, अंकल ने कितना सुंदर उपहार दिया है। यह सबसे अलग है और विशेष भी।" शेरोजा ने माँ को पिंजरा दिखाते हुए कहा।

"अरे, यह खेलने की चीज़ नहीं है और चिड़िया पकड़कर तुम करोगे क्या?" माँ ने हैरानी से पूछा।

"मैं सुंदर-सुंदर चिड़ियों को पकड़कर इसमें रखूँगा। शेरोजा ने तुरंत कहा, मुझे चिड़िया की आवाज़ बहुत पसंद है। वह मीठे सुरों में मुझे गाना सुनाएगी।"

"हाँ, उसे पिंजरे में यूँ ही नहीं रखूँगा। उसकी पूरी देखभाल भी करूँगा। दाना-पानी दूँगा और रोज़ाना पिंजरे की सफ़ाई भी करूँगा।" उसने प्रसन्नता से कहा।

शेरोजा को भूख लगी थी, इसलिए वह पिंजरे को वहीं छोड़कर खाना खाने के लिए चला गया।

"अरे वाह! इतनी सुंदर चिड़िया! यह तो बहुत प्यारी है।" वापस आने के बाद शेरोजा ने पिंजरे में एक नन्ही-सी चिड़िया को देखकर कहा।

"माँ! देखो न, मैंने कितनी खूबसूरत चिड़िया पकड़ी है।" शेरोजा ने खुशी से लगभग चीखते हुए कहा।

"मेरे खयाल में यह बुलबुल है। ज़रा देखने दो कि इसकी धड़कन सही है या नहीं?" चिड़िया को

शब्दार्थ

1. वास्तव में

Pg no - 2

हाथ में लेकर माँ ने कहा–"अरे! यह तो 'वाइल्ड कनारी' है। ज़रा सावधान रहना। इसे तुम परेशान बिलकुल मत करना। बेहतर होगा, यदि तुम इसे आज़ाद कर दो," माँ ने शेरोजा को सलाह दी।

"नहीं।" शेरोजा ने आवेश[2] में आकर कहा।

"मैं अभी जाता हूँ और इसके लिए खाने-पीने का प्रबंध करता हूँ।" दो दिनों तक लगातार उसने उस नन्ही-सी चिड़िया की अच्छी देखभाल की। लेकिन तीसरे दिन जैसे चिड़िया में उसकी दिलचस्पी[3] कम हो गई। पिंजरा बहुत गंदा हो चुका था। उसमें रखा पानी भी पुराना हो चुका था।

"देखो, तुम चिड़िया की देखभाल नहीं कर सकते हो। अब भी समझ जाओ, शेरोजा। बेहतर होगा, तुम इसे आज़ाद कर दो।" माँ ने पिंजरे की तरफ़ इशारा करते हुए शेरोजा से कहा।

माँ की बात पर ध्यान न देते हुए शेरोजा ने पिंजरे की सफ़ाई शुरू कर दी। जब तक वह सफ़ाई करता रहा, वह नन्ही चिड़िया बुरी तरह पंख फड़फड़ा रही थी। शायद वह शेरोजा से बहुत डरी हुई थी। पिंजरे की सफ़ाई करने के बाद शेरोजा पानी लाने के लिए चला गया। पिंजरे का दरवाज़ा खुला देख चिड़िया बहुत खुश थी और पंख फैलाकर कमरे में इधर-उधर फुदकने लगी थी।

"शेरोजा पिंजरे का दरवाज़ा बंद कर दो। वरना चिड़िया उड़ जाएगी। उसे चोट भी पहुँच सकती है।" माँ ने आवाज़ लगाई।

माँ की आवाज़ सुनते ही शेरोजा दौड़ता हुआ आया और चिड़िया को कसकर पकड़ते हुए फिर से पिंजरे में कैद कर दिया। अगले दिन उसने देखा कि चिड़िया की साँसें तेज़-तेज़ चल रही हैं और वह बिलकुल अधमरी-सी हो गई है।

शेरोजा उसे बार-बार देख रहा था। उसके तो हाथ-पैर फूल गए थे। उसे आभास[4] हो चुका था कि ज़रूर कुछ बुरा हुआ है।

"माँ! देखो न, चिड़िया को क्या हो गया है? मैं अब क्या करूँ?" शेरोजा ने रोते हुए माँ से पूछा।

"अब कुछ नहीं हो सकता। जो होना था, वह हो चुका।" माँ ने नाराज़गी ज़ाहिर[5] की।

शेरोजा पूरे दिन पिंजरे को लिए बैठा रहा। वह देख रहा था कि कैसे पेट के बल लेटी हुई चिड़िया अपनी अंतिम साँसें गिन रही है। रात को जब वह सोने गया, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। यह शेरोजा के लिए एक बहुत बड़ा सदमा था। चिड़िया की मौत ने उसे रात भर सोने नहीं दिया। जब भी

शब्दार्थ

2. जोश; 3. रुचि; 4. अनुभव होना; 5. प्रकट करना

Pg no 3

आँखें बंद करता, तो उसे पिंजरे में कैद फड़फड़ाती और आज़ादी के लिए संघर्ष करती, वह नन्ही-सी चिड़िया ही दिखाई देती। सुबह उसने देखा कि पिंजरे में चिड़िया पीठ के बल लेटी हुई है। उसके दोनों पैर ऊपर की ओर हैं और एक-दूसरे से लिपटे हुए हैं। यह एक ऐसी घटना थी, जो उस उपहार की वजह से हुई थी। लेकिन शेरोजा को इससे मिला सबक उस उपहार के मूल्य से कहीं ज़्यादा बड़ा था।

–लियो टॉलस्टॉय

मुहावरे

हाथ-पैर फूल जाना–घबरा जाना; **अंतिम साँसें गिनना**– मृत्यु के करीब होना

लेखक-परिचय

महान साहित्यकार लियो टॉलस्टॉय 19वीं सदी के सर्वाधिक सम्मानीय लेखकों में से एक हैं। 'युद्ध और शांति' (War and peace) तथा 'अन्ना करेनिना' जैसी प्रसिद्ध रचनाओं ने इनकी साहित्यिक ख्याति को बहुत ऊँचा उठाया। लेखक होने के साथ वे गरीबों के मसीहा भी थे। उन्होंने अपनी रचनाओं से होने वाली आय को दीन-दुखियों के लिए दे दिया था।

अभ्यास

बात पाठ की

मुख से

इन प्रश्नों के उत्तर बताइए। Oral Skills

क. शेरोजा को जन्मदिन पर क्या-क्या उपहार मिले?

ख. शेरोजा को कौन-सा उपहार अधिक पसंद था?

ग. पिंजरे में कौन-सी चिड़िया फँस गई थी?

घ. पिंजरा खुला रहने पर चिड़िया को कैसा लग रहा था?

कलम से

1. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए। Writing Skills

क. "यह खेलने की चीज़ नहीं है।" माँ ने यह किसके लिए और क्यों कहा?

.....

ख. शेरोजा पिंजरे में क्या पकड़ना चाहता था और क्यों?

.....

ग. शेरोजा की माँ चिड़िया को पिंजरे में बंद करने के पक्ष में क्यों नहीं थीं?

.....

Pg no 4

घ. फिर से पिंजरे में बंद करने पर चिड़िया की क्या हालत हो गई?

.....

ङ. इस कहानी से आपको क्या सबक मिला?

.....

2. सही विकल्प पर '✓' का चिह्न लगाइए।

क. पिंजरे में कौन-सा पक्षी फँसा था?

(i) गौरैया ☐ (ii) कठफोड़वा ☐

(iii) बुलबुल ☐ (iv) वाइल्ड कनारी ✓

ख. पिंजरे में बंद चिड़िया फड़फड़ा रही थी, शायद–

(i) वह बहुत डरी हुई थी। ✓ ☐ (ii) वह थकी हुई थी। ☐

(iii) वह भूखी-प्यासी थी। ☐ (iv) उसकी आदत थी। ☐

ग. चिड़िया की मौत से शेरोजा को सबक मिला–

(i) पिंजरे की सफ़ाई करनी चाहिए।

(ii) पिंजरा बड़ा होना चाहिए।

(iii) पक्षियों को पिंजरे में बंद नहीं करना चाहिए। ✓

(iv) पक्षियों को खुला नहीं छोड़ना चाहिए।

श्रुतलेख : खिलौना, हैरानी, प्रसन्नता, प्रबंध, नाराज़गी, ज़ाहिर, अंतिम, आँखें, संघर्ष, आज़ादी, मूल्य, ज़्यादा

बात सोच की *(कोई एक कीजिए)*

Analytical Skil

1. स्वतंत्रता मनुष्यों के लिए ही नहीं पशु-पक्षियों के लिए भी आवश्यक है, अपने विचार लिखिए।
2. क्या काम करके आपको मन की सच्ची शांति मिलती है? लिखिए।

बात भाषा की

Language Skil

1. ज़ और फ़ – ध्वनियाँ हिंदी की ज, फ ध्वनियों से भिन्न हैं।

अरबी, फ़ारसी, अंग्रेज़ी से ये ध्वनियाँ इसी रूप में स्वीकृत हैं; जैसे–**आवाज़, तेज़-तेज़, नाराज़ग साफ़ आदि।**

उचित स्थान पर नुक्ता लगाइए।

क. जाहिर ख. आजाद ग. ज्यादा घ. रोजाना ङ. जरा च. सफाई छ. दरवाजा

2. 'ड-ड़' 'ढ-ढ़' के अंतर को समझिए।

लड़की, लकड़ियाँ, खदेड़, कुल्हाड़ी, लड़खड़ाकर, डरकर, निडरता, डराने

बढ़, बूढ़े, बढ़ने, बाढ़, ढेर, ढोल

Pg no 5

अशुद्ध शब्दों को शुद्ध कीजिए।

क.	चिडिया	ख.	ड़र	ग.	फड़फडाना .....
घ.	धडकन	ङ.	वाइल्ड़	च.	बड़ा – Print mistake
छ.	ढ़ोलक	ज.	पढाई	झ.	ताड .....

'ढ़' और 'ड़' से हिंदी भाषा का कोई शब्द शुरू नहीं होता है और साथ-साथ तत्सम शब्दों में भी इनका प्रयोग नहीं होता। ये हिंदी की अपनी ध्वनियाँ हैं।

3. वचन बदलिए तथा उस शब्द को किसी विभक्ति-चिह्न के साथ लिखिए।

		पिंजरा	पिंजरे	पिंजरों को
क.	लकड़ी		लकड़ियाँ	लकड़ियों को
ख.	चिड़िया		चिड़ियाँ	चिड़ियों को
ग.	दरवाज़ा		दरवाज़े	दरवाज़ों को
घ.	खिलौना		खिलौने	खिलौनों को
ङ.	दाना		दाने	दानों को

4. विशेषण शब्दों को रेखांकित कर विशेष्य लिखिए।

क.	इस अवसर पर उसे <u>ढेर सारे</u> उपहार मिले।	उपहार
ख.	अंकल ने कितना <u>सुंदर</u> उपहार दिया।	उपहार
ग.	उस <u>नन्ही-सी</u> चिड़िया की अच्छी देखभाल की।	चिड़िया
घ.	चिड़िया की साँसें <u>तेज़-तेज़</u> चल रही थीं।	साँसें
ङ.	इससे मिला सबक <u>उस</u> उपहार के मूल्य से कहीं ज़्यादा बड़ा था।	उपहार

5. दिए गए वाक्यों में रेखांकित पदों के कारक-भेद लिखिए।

क.	उसे इस <u>अवसर पर</u> ढेर सारे उपहार मिले थे।	अधिकरण कारक
ख.	<u>किसी ने</u> खूबसूरत पेंटिंग्स दीं तो <u>किसी से</u> मिला खिलौना।	कर्ता, करण
ग.	<u>चिड़िया को</u> हाथ में लेकर <u>माँ ने</u> कहा।	कर्म, कर्ता
घ.	<u>माँ ने</u> <u>हैरानी से</u> पूछा।	कर्ता, करण
ङ.	<u>आज़ादी के लिए</u> संघर्ष करती चिड़िया ही दिखाई देती।	2-सम्प्रदान कारक
च.	इससे मिला सबक उस उपहार के <u>मूल्य से</u> कहीं ज़्यादा बड़ा था।	करण कारक

वाक्य में संज्ञा, सर्वनाम आदि पदों के जिस रूप से उसका संबंध क्रिया से स्पष्ट होता है, उसे **कारक** कहते हैं। जैसे– <u>शेरोजा ने</u> <u>खुशी से</u> <u>बच्चे को</u> देखा।

Pg no 6

रचनात्मक अभिव्यक्ति Creative Expression

बात मन की

1. यदि कहानी के अंत में चिड़िया न मरती तो क्या सबक मिलता? तीन-चार पंक्तियाँ लिखिए।
2. जीवन में घटी घटनाएँ कभी-कभी महत्वपूर्ण सबक देती हैं। कोई ऐसी घटना लिखिए, जिससे आपने बहुत बड़ी शिक्षा पाई हो?
3. लियो टॉलस्टॉय की अन्य कहानियाँ पुस्तकालय से पुस्तक लेकर पढ़िए और कक्षा में सुनाइए।

हँसते-गाते

H.W. for you

अपने मनपसंद चित्र के विषय में मन में जो भाव आते हैं, उन्हें कारण सहित लिखिए।